RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com
DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 24 APRIL TO 30 APRIL 2024 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 31 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

रूस और चीन ने द्विपक्षीय व्यापार में बंद किया डॉलर का इस्तेमाल

Page 2

भोपाल और इंदौर मेट्रो की ट्रेनें इतनी खास क्यों हैं?

Page 4

सैमसंग ने 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' का तीसरा सीजन लॉन्च किया

Page 7

editoria!

ग्रीन कार्ड का लंबा इंतजार...

अमेरिका की नागरिकता हासिल करने के मामले में वहां रहने वाला भारतीय समुदाय अब दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक साल 2022 में 65,960 भारतीयों को आधिकारिक तौर पर अमेरिकी नागरिकता प्रदान की गई। इसके बाद अमेरिका में नए नागरिकों के स्रोत के रूप में भारत मेक्सिको के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया। मगर ये आंकड़े न तो अमेरिका में नागरिकता या ग्रीन कार्ड हासिल करने का इंतजार कर रहे भारतीयों की स्थिति बयां करते हैं और न ही उनकी समस्याओं को समझने में कोई मदद करते हैं। साल 2023 के आंकड़े देखें तो वहां भारतीय मूल के 2,90,000 ऐसे लोग रह रहे हैं जिनके पास बाकायदा ग्रीन कार्ड या LPR (लीगल परमानेंट रेसिडेंसी) है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो वे ऐसे लोग हैं जो अमेरिकी नागरिकता हासिल करने की संभावित पात्रता रखते हैं, लेकिन उनकी बारी नहीं आ रही। इसके अलावा डिपेंडेंट्स को मिला लिया जाए तो करीब 12 लाख भारतीय ऐसे हैं जो अमेरिका में ग्रीन कार्ड के इंतजार में बैठे हैं। इनका एक अच्छा खासा हिस्सा हाईली स्किल्ड की श्रेणी में आता है। हालांकि हाल के वर्षों में नागरिकता आवेदनों के बकाया मामलों को निपटाने में तेजी आई है। 2020 के आखिर में लंबित आवेदनों की संख्या 943,000 हो गई थी जो 2021 में 840,000, 2022 में 550,000 और 2023 में करीब 408,000 तक आ गई थी। मगर लंबित आवेदनों को निपटाने की प्रक्रिया में आई तेजी से ग्रीन कार्ड के लिए लगी भारतीयों की कतार कम करने में खास मदद नहीं मिलने वाली। CRS की 2020 की एक रिपोर्ट के आकलन के मुताबिक साल 2030 तक एम्प्लॉयमेंट बेस्ड ग्रीन कार्ड की टॉप तीन कैटिगरीज में भारतीयों के लंबित आवेदन की संख्या 21 लाख को पार कर जाएगी जिसे निपटाने में मौजूदा कानूनी प्रक्रियाओं के मुताबिक दो सौ साल लगेंगे। असल में एम्प्लॉयमेंट बेस्ड ग्रीन कार्ड के लिए लंबे इंतजार के पीछे मुख्यतया मौजूदा अमेरिकी कानूनों के दो प्रावधानों की भूमिका है। एक तो एम्प्लॉयमेंट बेस्ड ग्रीन कार्ड की सालाना लिमिट 140,000 निर्धारित करना और दूसरा, प्रति देश 7 फीसदी की सीमा तय कर देना। खास कर प्रति देश 7 फीसदी की यह सीमा बड़ी आबादी वाले भारत जैसे देशों के हाईली स्किल्ड प्रफेशनल्स की राह की बड़ी बाधा बनी हुई है। इसमें दो राय नहीं कि यह एक जटिल मसला है जिसके कई पहलू हैं। लेकिन गौर करने की बात यह है कि नागरिकता और खासकर ग्रीन कार्ड के लिए दसियों साल का इंतजार न केवल संबंधित व्यक्तियों और उन पर निर्भर लोगों की जिंदगी में अनिश्चितता बनाए रखता है बल्कि दुनिया भर से टैलंट को आकृष्ट करने की अमेरिका की क्षमता को भी प्रभावित करता है।

आरबीआई के बुलेटिन में जताई गई आशंका

'खराब मौसम और भू-राजनीतिक तनाव के कारण बढ़ सकती है महंगाई'

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अप्रैल बुलेटिन में मंगलवार को कहा गया कि खराब मौसम की स्थिति महंगाई का जोखिम पैदा कर सकती है। बुलेटिन में यह भी कहा गया कि लंबे समय तक भू-राजनीतिक तनाव से कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव दिख सकता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई मार्च में घटकर 4.9 प्रतिशत हो गया है, जो पिछले दो महीनों में औसतन 5.1 प्रतिशत था। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने महंगाई से जुड़ी चिंताओं का हवाला देते हुए फरवरी 2023 से रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है।

वास्तविक जीडीपी में तेजी बने रहने का अनुमान

आरबीआई की बुलेटिन में प्रकाशित 'स्टेट ऑफ द इकोनॉमी' विषय पर एक लेख में आगे कहा गया है कि वैश्विक विकास की गति 2024 की पहली तिमाही में बनी हुई है, और विश्व व्यापार के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण बन रहा है। लेख में कहा गया है, 'भारत में मजबूत निवेश मांग और व्यापार व उपभोक्ता भावनाओं में तेजी की मदद से वास्तविक जीडीपी वृद्धि में तेजी की प्रवृत्ति आगे भी बनी रह सकती है।' भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के मासिक बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में भारत का सेवा निर्यात, पिछले 30 वर्षों (1993 और 2022 के बीच) में 14 प्रतिशत से अधिक की मजबूत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से बढ़ा है। यह भारत के व्यापारिक निर्यात वृद्धि (10.7 प्रतिशत) के अलावा वैश्विक स्तर पर सेवा निर्यात की वृद्धि (6.8 प्रतिशत) से काफी अधिक है।

इसी का नतीजा है कि विश्व सेवाओं के निर्यात में भारत के सेवा निर्यात की हिस्सेदारी वर्ष 1993 में 0.5 प्रतिशत से आठ गुना से अधिक बढ़कर वर्ष 2022 में 4.3 प्रतिशत हो गई। रिजर्व बैंक के बुलेटिन में प्रकाशित 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' शीर्षक लेख कहता है कि वर्ष 2024 के वसंत में गर्मी बनी हुई है। दरअसल इसका इशारा मार्च, 2024 के पिछले 170 साल का सबसे गर्म मार्च महीना होने की तरफ है।

बढ़ती गर्मी के कारण मानसून से पहले खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ने का जोखिम

डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा की अगुवाई वाली टीम ने इस लेख में कहा है कि गर्मियों के दौरान महंगाई पर सावधानी से नजर रखनी होगी। मानसून के दस्तक देने से पहले खाद्य पदार्थों की कीमतों में अधिक गर्मी के कारण झटके लगने का अंदेशा है। लेख के मुताबिक, 'हालांकि निकट अवधि में प्रतिकूल मौसमी घटनाओं के साथ लंबे समय तक भू-राजनीतिक तनाव के कारण मुद्रास्फीति का जोखिम पैदा हो सकता है।'

आरबीआई बुलेटिन के मुताबिक, आर्थिक वृद्धि के रुझान में बदलाव के विस्तार के लिए स्थितियां बन रही हैं, जिसने 2021-24 के दौरान औसत वास्तविक जीडीपी वृद्धि को आठ प्रतिशत से ऊपर पहुंचाया है। लेख कहता है, 'अगले तीन दशकों में अपनी विकासपरक आकांक्षाओं को हासिल करने के लिए, भारतीय अर्थव्यवस्था को अगले दशक में अपने जनसंख्या संबंधी लाभों का फायदा उठाने के लिए 8-10 प्रति वर्ष की दर से बढ़ना होगा। भारत को जनसंख्या संबंधी लाभ वर्ष 2055 तक मिलता रहेगा।' इसमें कहा गया है कि 2024 की पहली तिमाही में वैश्विक वृद्धि की गति बरकरार रही है और विश्व व्यापार का परिदृश्य सकारात्मक हो रहा है। बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बॉन्ड प्रतिफल और कर्ज की ब्याज दर बढ़ रही है। ब्याज दर में कमी को लेकर जो संभावनाएं थी, वह कमजोर पड़ी हैं।

अगर 31 मई तक पैन को आधार से किया लिंक तो कम TDS कटौती पर नहीं होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। एजेंसी

पैन कार्ड को आधार से लिंक करना जरूरी है. अगर आप पैन को आधार से लिंक करते हैं तो अब आपको फायदा होने वाला है. इनकम टैक्स विभाग ने टीडीएस, टीसीएस कटौती को लेकर टैक्सपेयर्स के साथ-साथ कारोबारियों को बड़ी राहत दी है. आयकर विभाग ने कहा है कि अगर 31 मई 2024 तक पैन कार्ड से आधार लिंक होता है तो टीडीएस की कम कटौती को लेकर टैक्सपेयर्स और कारोबारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी.

क्या है नियम

इनकम टैक्स विभाग के नियमों के मुताबिक अगर पैन कार्ड आधार नंबर के साथ लिंक नहीं है तो दोगुनी रेट के साथ टीडीएस कटौती की जाएगी, लेकिन सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स ने उन टैक्सपेयर्स को राहत देने की बात कही है, जो 31 मई तक अपने पैन को आधार से लिंक करवाते हैं. आयकर विभाग ने कहा कि यदि टैक्सपेयर्स 31 मई तक अपने पैन को आधार से जोड़ देते हैं, तो टीडीएस की कम कटौती के लिए उनपर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी. नियम के मुताबिक पैन को बायोमेट्रिक आधार से नहीं जोड़ा जाता है, तो लागू दर के मुकाबले दोगुनी दर से टीडीएस की जाएगी. सीबीडीटी ने एक परिपत्र में कहा कि करदाताओं से कई शिकायतें मिली हैं कि उन्हें इस बारे में नोटिस मिले हैं. इस नोटिस में कहा गया है कि उन्होंने ऐसे लेनदेन करते समय टीडीएस / टीसीएस की कम कटौती/ संग्रह करने की चूक की है, जहां पैन निष्क्रिय थे. ऐसे मामलों में चूंकि कटौती या कलेक्शन संग्रह उच्च दर पर नहीं किया गया है, लिहाजा विभाग ने टीडीएस/ टीसीएस सटेटमेंट के प्रोसेसिंग करने पर टैक्स की मांग की गई है. ऐसी शिकायतों के निपटारे के लिए सीबीडीटी ने कहा है कि अगर 31 मई, 2024 को या उससे पहले पैन (आधार के साथ जुड़ने के बाद) चालू हो जाता है, तो ऐसे मामलों में उच्च रेट के हिसाब से टैक्सपेयर्स को टैक्स नहीं देना होगा.

रिलायंस को KG-D6 ब्लॉक में अतिरिक्त निवेश की सरकार से मंजूरी मिली

नई दिल्ली। एजेंसी

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को बंगाल की खाड़ी में स्थित अपने केजी-डी6 ब्लॉक में गैस भंडार उत्पादन बढ़ाने के मकसद से अतिरिक्त निवेश करने के लिए सरकार की मंजूरी मिल गई है। कंपनी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। रिलायंस और उसकी साझेदार बीपी पीएलसी केजी-डी6 ब्लॉक से फिलहाल तीन करोड़ मानक घन मीटर प्रतिदिन गैस का उत्पादन करती है जो भारत के कुल गैस उत्पादन का लगभग 30 प्रतिशत है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चौथी तिमाही के नतीजों पर निवेशकों के साथ चर्चा के दौरान कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अन्वेषण एवं उत्पादन) संजय रॉय ने कहा कि गैस ब्लॉक से वृद्धिशील उत्पादन के लिए विकास योजना को सरकार ने मंजूरी दे दी है। हालांकि रॉय ने इस योजना के लिए स्वीकृत निवेश का विवरण नहीं दिया। इस दौरान 40 से 50 लाख मानक घन मीटर प्रतिदिन उत्पादन बढ़ाने पर जोर रहेगा।

रूस और चीन ने द्विपक्षीय व्यापार में बंद किया डॉलर का इस्तेमाल

नई दिल्ली। एजेंसी

रूस और चीन ने द्विपक्षीय व्यापार में डॉलर का इस्तेमाल बंद कर दिया है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रूस के क्षेत्रीय प्रमुखों की बैठक के दौरान यह जानकारी दी। लावरोव ने बताया कि दोनों देश आपसी व्यापार में स्थानीय करेंसी का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में रोड़ा अटकाने की तमाम कोशिशों के बावजूद रूस और चीन के मध्य आर्थिक संबंधों में तेजी से प्रगति हो रही है और दोनों देशों के मध्य हो रहे कुल व्यापार में 90 प्रतिशत व्यापार स्थानीय करेंसी के माध्यम से किया जा रहा है दोनों देशों के मध्य एनर्जी सेक्टर के अलावा रूस के कृषि उत्पादों का निर्यात चीन को तेजी से बढ़ रहा है। औद्योगिक और निवेश के क्षेत्र में दोनों देशों के संयुक्त प्रोजेक्टों को तेजी के साथ लागू किया जा रहा है। इस आपसी सहयोग का सीधा लाभ रूस और चीन की सीमाओं पर बने माहौल के रूप में देखने को मिल रहा है।

रूस और चीन बढ़ा रहे सोने का भंडार

पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के बीच चीन और रूस अपना गोल्ड रिजर्व बढ़ाने पर भी काम कर रहे हैं। चीन दुनिया में सोने का सबसे बड़ा उत्पादक है इसके बावजूद चीन ने 2022 में 67.6 बिलियन डॉलर के सोने की खरीद की है। यह 2022 में दुनिया में सोने की दूसरी सबसे बड़ी खरीद है जबकि स्विजरलैंड 94.9 बिलियन डॉलर के सोने की खरीद के साथ पहले नंबर पर रहा था। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के मुताबिक रूस ने 2023 में 324.7 टन सोने का उत्पादन किया है जबकि चीन 374 टन सोने के उत्पादन के साथ पहले नंबर पर है। रूस का लक्ष्य हर साल सोने के उत्पादन में चार फीसदी वृद्धि करने का भी है।

दरअसल पश्चिमी जगत द्वारा रूस पर लगाए गए तमाम आर्थिक प्रतिबंधों के बावजूद रूस की अर्थव्यवस्था 2023 में 3.6 फीसदी की दर से बढ़ी है और 2024 में इसके 2.6 प्रतिशत की दर के साथ बढ़ने की उम्मीद है। रूस 2013 से ही पश्चिमी जगत द्वारा उस पर लगाए जाने वाले आर्थिक प्रतिबंधों की तैयारी कर रहा था ऐसे में जब यूरोप ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए तो अपनी करेंसी रूबल को गिरावट से बचाने के लिए उसने 2022 एक औंस सोने की कीमत 5 हजार रूबल पर फिक्स कर दी जिस से रूस की करेंसी में गिरावट थम गई।

आर्थिक प्रतिबंधों के बाद वेनेजुएला तेल का कारोबार क्रिप्टोकरेंसी में करेगा

अमरीका द्वारा आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाने के बाद वेनेजुएला की सरकारी तेल कंपनी इर्व्रॉ तेल का निर्यात क्रिप्टोकरेंसी में बना रही है। वेनेजुएला द्वारा अपने देश में चुनाव सुधार न करने के बाद अमरीका ने इर्व्रॉ से तेल खरीदने वाले देशों को 31 मई के बाद पेमेंट चैनल बंद किए जाने का नोटिस दिया है। ऐसी स्थिति में वेनेजुएला उन देशों को तेल का निर्यात नहीं कर पाएगा जिनके साथ उसका कारोबार डॉलर में होता है। आर्थिक प्रतिबंधों के चलते वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा क्योंकि वेनेजुएला के तेल कारोबार में ग्रोथ रुक जाएगी। इर्व्रॉ पिछले साल से ही क्रिप्टोकरेंसी टीथर में कारोबार की शुरुआत कर चुका है और भविष्य में इस क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है।

एलपीजी सिलेंडर से लेकर बैंक चार्ज तक,1 मई से बदल जाएंगे ये बड़े नियम

नई दिल्ली। एजेंसी

हर महीने की पहली तारीख को देशभर में कई बदलाव होते हैं। इन बदलावों का असर आम आदमी की जेब पर पड़ता है। अप्रैल का महीना खत्म होने वाला है। जल्द ही मई का महीना शुरू होगा। 1 मई से कई बदलाव होंगे, जो आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े हैं। एलपीजी सिलेंडर से लेकर बैंक चार्ज तक कई चीजें बदल जाएंगी। आइए जानते हैं 1 मई 2024 से क्या बदलाव होने जा रहा है।

एलपीजी सिलेंडर की कीमत

एलपीजी सिलेंडर की कीमत हर महीने के पहले दिन बदलती है। गैस की कीमत तेल विपणन कंपनियां तय करती हैं। 14 किलो के घरेलू और 19 किलो के कमर्शियल सिलेंडर के दाम निर्धारित करती है। साथ ही पीएनजी और सीएनजी के दाम कंपनियां अपडेट करती हैं।

यस बैंक से जुड़े नियम

यस बैंक की वेबसाइट के अनुसार, 1 मई से बचत खाते पर लगने वाले मिनिमम एवरेज बैलेंस में बदलाव किया जाएगा। अकाउंट प्रो मैक्स में न्यूनतम बैलेंस 50 हजार रुपये होगा। जिस पर अधिकतम एक हजार रुपये चार्ज लगेगा। सेविंग अकाउंट प्रो प्लस, यस एसेंस एसए और यस रेस्पेक्ट एसए में न्यूनतम बैलेंस 25 हजार रुपये होगा। इन खाते के लिए मैक्सिमम चार्ज 750 रुपये तय की गई है। साथ ही सेविंग अकाउंट प्रो में न्यूनतम बैलेंस दस हजार रुपये बनाए रखना होगा। शुल्क की अधिकतम सीमा 750 रुपये तय की गई है।

ICICI बैंक के नियम में होगा बदलाव

ICICI बैंक ने बचत खाते से जुड़े सर्विस चार्ज नियमों में बदलाव किया है। डेबिट कार्ड के लिए शहरी इलाकों में 200 रुपये और ग्रामीण इलाकों में 99 रुपये वार्षिक शुल्क देना होगा। अब बैंक 25 पेज की चेकबुक के लिए शुल्क नहीं देना होगा। हालांकि इसके बाद प्रति चेक चार रुपये का शुल्क लगेगा। ये बदलाव 1 मई से प्रभावी होंगे। ध्इइए के जरिए ट्रांजेक्शन पर 2.50 से 15 रुपये के बीच चार्ज लगेगा।

एलन मस्क का बदल चुका है प्लान? क्यों भारत में टेस्ला की एंट्री में फिलहाल लगेगा वक्त

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में टेस्ला की एंट्री पर बड़ा अपडेट है। मुमकिन है कि यह फिलहाल भारत में प्रवेश नहीं करे। टेस्ला के निकट भविष्य में भारत में आने की संभावनाएं घटती दिख रही हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली दिग्गज अमेरिकी कंपनी का आने वाले समय के लिए प्लान बदल रहा है। वह मैक्सिको और भारत में नई फैक्ट्रियों में पैसा लगाने के बजाय इस साल के अंत तक अपने मौजूदा कारखानों का उपयोग और ज्यादा किफायती वाहन बनाने के लिए करने की योजना बना रही है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई जब हाल में टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क ने भारत में अपनी प्रस्तावित यात्रा को यहां आने से कुछ घंटे पहले रद्द कर दिया था।

बजट-फ्रेंडली कार लॉन्च करने का विचार छोड़ा

पिछली रिपोर्टों में बताया गया था कि टेस्ला ने अपनी बजट-फ्रेंडली मॉडल 2 कार लॉन्च करने का विचार छोड़ दिया है। इसकी अनुमानित कीमत 25,000 डॉलर थी। यह व्यापक बाजार को टारगेट करती। इसके पहले मस्क का भारत आने का प्लान था। अपनी यात्रा के दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक करने वाले थे। वह भारत में एक कार प्लांट में निवेश करने वाले थे। लेकिन, अंतिम वक्त पर उन्होंने यात्रा कैंसिल कर दी थी। इसके पीछे उन्होंने 'बहुत जरूरी टेस्ला दायित्वों'का हवाला दिया था।

मस्क ने खुद बताया था भारत आने का प्लान

मस्क ने 10 अप्रैल को ट्विटर पर घोषणा की थी कि वह भारत आने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के लिए उत्सुक हैं। सूत्रों के अनुसार, इस यात्रा के दौरान ही वह भारत में टेस्ला के प्रवेश की योजनाओं की घोषणा करने वाले थे। हालांकि, 20 अप्रैल को उन्होंने एक और ट्वीट में कहा कि 'दुर्भाग्य से बहुत भारी टेस्ला दायित्वों के कारण भारत यात्रा में देरी हो गई है।' उन्होंने यह भी कहा कि वे इस साल के अंत में भारत यात्रा करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। यह यात्रा कब होगी, इसकी अभी कोई पुष्टि नहीं हुई है। इसी तरह मस्क ने पिछले साल मेक्सिको में एक फैक्ट्री लगाने की बात कही थी। इसे उन्होंने वर्तमान में आर्थिक स्थितियों और ब्याज दरों की प्रतीक्षा में टाल दिया है।

फरवरी में रिजर्व बैंक का डॉलर बेचने से परहेज

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने नौ महीनों के दौरान पहली बार फरवरी में कोई डॉलर नहीं बेचा था। दरअसल, यूएस फेडरल रिजर्व की दर में कटौती की अटकलों के कारण रुपया दबाव में आ गया। इससे पहले आरबीआई ने मई 2023 के महीने में एक भी डॉलर नहीं बेचा था। आरबीआई ने जनवरी में हाजिर बाजार में 8.5 अरब डॉलर की बिक्री की थी। केंद्रीय बैंक ने फरवरी के महीने तक 8.5 अरब डॉलर की खरीदारी की थी ताकि विदेशी मुद्रा भंडार बनाकर रुपये की अवमूल्यन से रक्षा कर सके। बाजार के साझेदारों के अनुसार अमेरिका के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़े उम्मीद से ज्यादा आने के कारण रुपये के अवमूल्यन की आशंका जताई जा रही थी। बीते सात सप्ताहों के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार नए स्तर पर पहुंच गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार 5 अप्रैल को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार नए उच्च स्तर 648.56 अरब डॉलर के नए स्तर पर पहुंच गया था।

एक निजी बैंक के ट्रेजरी प्रमुख ने कहा, 'रुपये में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए आरबीआई हाजिर और वायदा कारोबार के जरिये विदेशी विनिमय मार्केट में हस्तक्षेप कर रहा था।' उन्होंने बताया, 'आंकड़े समर्थक नहीं होने के कारण डॉलर मजबूत हो रहा था और ब्याज दरों में कटौती को जून तक ले जाया गया।' फरवरी में रुपये में 0.6 प्रतिशत की गिरावट आई। अमेरिका के जनवरी के महंगाई के आंकड़े जारी होने से पहले मार्च में ब्याज दरों में पहली कटौती होने की उम्मीद थी लेकिन इसे बाद में इसे जून तक बढ़ा दिया गया। हालिया समय में बड़े स्तर पर उम्मीद से परे प्रतिकूल आंकड़े जारी हुए थे।

मार्केट को उम्मीद है कि यूएस फेडरल रिजर्व हालिया कैलेंडर वर्ष की दूसरी छमाही से ब्याज दरों में कटौती शुरू करेगा। हालांकि मार्केट के तबके का अनुमान है कि दिसंबर में केवल एक प्रतिशत कटौती होने की उम्मीद है।

एक अन्य निजी बैंक के ट्रेजरी प्रमुख ने बताया, 'यह हस्तक्षेप विदेशी मुद्रा भंडार की बजाये रुपये का दायरा तय करने के लिए किया गया था।' उन्होंने बताया, 'रुपया केवल अप्रैल में गिरा और यह फरवरी व मार्च में सीमित दायरे में था।' केंद्रीय बैंक रुपये के वायदा बाजार में शुद्ध खरीदार रहा था। फरवरी के अंत तक शुद्ध वायदा खरीदारी 9.6 अरब डॉलर थी जबकि यह फरवरी में 9.9 अरब डॉलर थी।

कोटक महिंद्रा बैंक के खिलाफ RBI का बड़ा ऐक्शन

नए ग्राहकों को जोड़ने पर पाबंदी लगाई

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने कोटक महिंद्रा बैंक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। प्राइवेट बैंक पर ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग के जरिये नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर पाबंदी लगाई गई है। इसके अलावा नए ग्राहकों को जोड़ने पर भी रोक लगा दी गई है। हालांकि, RBI ने यह भी निर्देश दिए हैं कि कोटक महिंद्रा बैंक अपने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों सहित अपने मौजूदा ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करना जारी रखे।

आरबीआई ने इस बाबत बयान जारी किया है। इसके अनुसार, 'भारतीय रिजर्व बैंक ने आज बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 35ए के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड को तत्काल प्रभाव से काम बंद करने का निर्देश दिया है। इनमें (i) अपने ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग चैनलों के माध्यम से नए ग्राहकों को शामिल करना और (ii) नए क्रेडिट कार्ड जारी करना शामिल है। हालांकि, बैंक अपने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों सहित अपने मौजूदा ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करना जारी रखेगा।'

दो साल तक लगातार निगरानी के बाद फैसला

आरबीआई का फैसला लगातार

दो वर्षों 2022 और 2023 तक निगरानी के बाद आया है। इस दौरान आरबीआई ने बैंक में कई महत्वपूर्ण कमियों और गैर-अनुपालनों को पाया। बैंक इन चिंताओं को व्यापक और समय पर तरीके से समाधान करने में नाकामयाब रहा। आरबीआई ने आईटी इन्वेंट्री प्रबंधन, पैच और परिवर्तन प्रबंधन, उपयोगकर्ता पहुंच प्रबंधन, विक्रेता जोखिम प्रबंधन, डेटा सुरक्षा और डेटा रिसाव रोकथाम रणनीति, व्यापार निरंतरता और आपदा वसूली कठोरता और ड्रिल जैसे क्षेत्रों में गंभीर कमियों को नोट किया। बयान में कहा गया कि ये कार्रवाइयां वर्ष 2022 और 2023 के लिए बैंक की आईटी जांच से उत्पन्न महत्वपूर्ण चिंताओं और इन चिंताओं से समय पर तथा सही तरीके से निपटने में बैंक की ओर से लगातार विफलता के आधार पर आवश्यक हो गई थी। आरबीआई ने कहा, 'आईटी इन्वेंट्री मैनेजमेंट, यूजर एक्सेस मैनेजमेंट, विक्रेता जोखिम प्रबंधन, आंकड़ों की सुरक्षा और आंकड़ा लीक रोकथाम रणनीति, व्यापार निरंतरता और संकट के बाद पटरी पर लौटने की कवायद आदि क्षेत्रों में गंभीर कमियां और गैर-अनुपालन देखे गए।'

नए ग्राहक नहीं जोड़ पाएगा कोटक महिंद्रा बैंक

इसमें कहा गया कि लगातार दो वर्षों तक, नियामक दिशानिर्देशों के तहत आवश्यकताओं के विपरीत बैंक में आईटी जोखिम और सूचना सुरक्षा संचालन में कमी पाई गई। कोटक महिंद्रा बैंक को तत्काल प्रभाव से अपने ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग के जरिये नए ग्राहकों को जोड़ने और नए क्रेडिट कार्ड जारी करने से रोकने का निर्देश दिया गया है। हालांकि, बैंक अपने मौजूदा क्रेडिट कार्ड धारकों सहित अपने ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करना जारी रखेगा।

फॉरेक्स ट्रेडिंग पर आया RBI का महत्वपूर्ण अपडेट, इन एंटिटि के खिलाफ जारी किया अलर्ट

मुंबई। एजेंसी

अत्यधिक रिटर्न के वादे के साथ भारतीयों को फॉरेक्स ट्रेडिंग (Forex Trading) की सुविधा देने वाली अनधिकृत संस्थाओं (Entity) के खिलाफ भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने बुधवार को अलर्ट जारी किया। RBI ने सभी बैंकों से एक अलर्ट लिस्ट रेफर करने के लिए कहा है जिसमें उन संस्थाओं के नाम हैं, जिन्हें विदेशी मुद्रा लेनदेन करने की अनुमति नहीं है और साथ ही अपने ग्राहकों को सूचित करने की भी अनुमति है।

एजेंट से करा रहे हैं काम

RBI की जांच से पता चला है कि अनधिकृत फॉरेक्स ट्रेडिंग को सुविधाजनक बनाने के लिए, इन संस्थाओं ने स्थानीय एजेंटों को शामिल करने का सहारा लिया है। ये एजेंट मार्जिन, निवेश, शुल्क आदि के लिए धन इकट्ठा करने के लिए विभिन्न बैंक शाखाओं में खाते खोलते हैं। ये अकाउंट व्यक्तियों, स्वामित्व वाली संस्थाओं, व्यापारिक फर्मों आदि के नाम पर खोले जाते हैं और ऐसे अकाउंट में लेनदेन कई मामलों में अकाउंट खोलने के बताए गए उद्देश्य के अनुरूप नहीं पाए जाते हैं।

मुद्रा लेनदेन के लिए दे रहे हैं यह विकल्प

यह भी देखा गया है कि ये संस्थाएं निवासियों को ऑनलाइन ट्रांसफर, पेमेंट गेटवे इत्यादि जैसी घरेलू भुगतान प्रणालियों का उपयोग करके अनधिकृत विदेशी मुद्रा लेनदेन करने के लिए रुपये में धनराशि भेजने/जमा करने के विकल्प प्रदान कर रही हैं। RBI ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे अपने ग्राहकों को केवल 'अधिकृत व्यक्तियों' और 'अधिकृत ETPs' के साथ विदेशी मुद्रा में सौदा करने की सलाह दें और 'अधिकृत व्यक्तियों' की सूची और RBI की वेबसाइट पर उपलब्ध 'अधिकृत ETP' की सूची का व्यापक प्रचार करें। RBI के पत्र में कहा गया है कि अनधिकृत विदेशी मुद्रा व्यापार की सुविधा में बैंकिंग चैनलों के दुरुपयोग को रोकने के लिए अधिक सतर्कता की आवश्यकता है। **सतर्क रहें-** आरबीआई ने बैंकों को याद दिलाया है कि कोई भी इकाई भारतीय रिजर्व बैंक से पूर्व प्राधिकरण प्राप्त किए बिना इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म संचालित नहीं करेगी। इसलिए, एडी कैट-I बैंकों को अधिक सतर्क रहने और इस संबंध में अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर

अप्रैल में बिजनेस एक्टिविटी 14 साल के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली। एजेंसी

मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस दोनों सेक्टरों में मजबूती के दम पर अप्रैल में भारत की व्यावसायिक गतिविधियों का विस्तार जारी रहा। समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। यह रिपोर्ट एचएसबीसी होल्डिंग्स पीएलसी के एक फ्लैश सर्वे पर आधारित है।

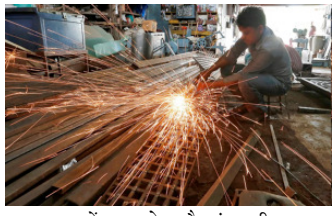

सर्विस पर्चेसिंग मैनेजर्स इंडेक्स मार्च के 61.2 से बढ़कर अप्रैल में 61.7 हो गया, जबकि मैन्युफैक्चरिंग पर्चेसिंग मैनेजर्स इंडेक्स 59.1 पर अपरिवर्तित रहा। इससे ओवरऑल इंडेक्स 62.2 पर पहुंच गया, जो जून 2010 के बाद सबसे ज्यादा है। इंडेक्स प्रारंभिक सर्वेक्षण परिणामों पर आधारित हैं और फाइनल इश्यू डेटा अगले सप्ताह प्रकाशित किया जाएगा। 50 से ऊपर की रीडिंग पिछले महीने की तुलना में विस्तार का संकेत देती है, जबकि इससे नीचे की रीडिंग गतिविधि में संकुचन का संकेत देती है।

HSBC की भारत की मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने एक बयान में कहा, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नए ऑर्डर बढ़ने से अप्रैल में सेवाओं की वृद्धि में तेजी आई। उन्होंने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग मार्जिन में भी सुधार देखा गया क्योंकि कंपनियां मजबूत मांग की स्थिति के कारण ग्राहकों पर ऊंची कीमतों का भार शिफ्ट करने में सक्षम थीं। भंडारी ने कहा, 'मजबूत मांग के कारण अप्रैल में कुल मिलाकर भविष्य के कारोबारी आउटलुक में और सुधार हुआ।'

भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 7 फीसदी से ज्यादा बढ़ने के लिए तैयार है, जिससे यह दुनिया में सबसे तेजी से विस्तार करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन जाएगी। मजबूत वृद्धि ने केंद्रीय बैंक (RBI) को मूल्य स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने का मौका भी दिया है। RBI इस महीने की शुरुआत में अपने सख्त नीतिगत रुख पर कायम रहा और लगातार सातवीं बैठक में बेंचमार्क दर (Repo Rate) को अपरिवर्तित रखा। एचएसबीसी ने कहा कि बढ़ती मांग ने वित्तीय वर्ष की शुरुआत में और ज्यादा रोजगार सृजन का समर्थन किया। जहां सेवा प्रदाताओं ने मार्च की तुलना में मामूली गति से अतिरिक्त कर्मचारियों को काम पर रखा है, वहीं माल उत्पादकों ने लगभग डेढ़ साल में वर्कफोर्स को सबसे बड़ी सीमा तक बढ़ाया है।

भोपाल और इंदौर मेट्रो की ट्रेनें इतनी खास क्यों हैं?

सस्टेनेबल मोबिलिटी में ग्लोबल लीडर, एल्सटॉम इस समय भोपाल और इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट्स के लिए 15 सालों की विस्तृत मेंटेनेंस के साथ 3-कार कॉन्फिगुरेशन की 52 स्टैंडर्ड गेज़ मूविया मेट्रो पैसेंजर ट्रेनसेट्स बना रहा है। कंपनी लेटेस्ट जनरेशनके संचार आधारित ट्रेन नियंत्रण (सीबीटीसी) सिग्नलिंग प्रणाली और ट्रेन नियंत्रण वसंचार प्रणाली भी इंस्टॉल कर रही है; जिनमें से प्रत्येक की सात साल की विस्तृत मेंटेनेंस शामिल है। इस श्रृंखला की पहली ट्रेनसेट अगस्त, 2023 में मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) को नोटिस टू प्रोसीड (एनटीपी) से साढ़े चौदह महीने की रिकॉर्ड अवधि में सौंप दी गई। राजस्व सेवा की शुरुआत 2024 से हो जाएगी।

चलिए जानते हैं कि ये ट्रेनें इतनी खास क्यों हैं!

ये अल्ट्रा-मॉडर्न, लाइट-वेट ट्रेनें 80 किमी/घंटा की अधिकतमगति से चलेंगी। भोपाल में ये 30 स्टेशनों के बीच 31 किलोमीटर और इंदौर में 29 स्टेशनों के बीच 31.5 किलोमीटर की दूरीतय करेंगी। 3 कार कॉन्फ़िगरेशन की 27 ट्रेनसेट भोपाल में चलेंगी जबकि इंदौर में 25 ट्रेनसेट चलेंगी। प्रत्येक ट्रेन में 50 यात्री बैठ सकेंगे और 300 लोग खड़े होकर यात्रा कर सकेंगे। इन ट्रेनों के लिए सुरक्षा के सर्वोच्च मानकसुनिश्चित किए गए हैं, जिनमें लगातार सीसीटीवी निगरानी और जरूरत पड़ने पर ट्रेन ऑपरेटर एवं नियंत्रण केंद्र के साथ सीधा संचार चैनल शामिल है। सीसीटीवी के इंटैलीजेंट फीचर्स में लावारिस वस्तुओं की पहचान और खाली ट्रेन की पहचान (आपातकालीन निकासी में यात्रियों की गिनती) भी शामिल है। इन ट्रेनों में दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर का एक समर्पित स्थान भी है।

मूविया मेट्रो परिवार में प्रमाणित और विश्वसनीय उपकरणों के साथ अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। ये ट्रेनें लंदन, दिल्ली, स्टॉकहोम और सिंगापुर सहित अनेक ग्लोबल शहरों में चल रही हैं। ये वातानुकूलित कारें पर्यावरण के लिए अनुकूल डिजाइन को ध्यान में रखकर विकसित की गई हैं, ताकि इनमें खतरनाक पदार्थों का उपयोग ना हो और यात्रियों को एक सुरक्षित वातावरण मिले। इन ट्रेंस में रिजनरेटिव ब्रेकिंग के साथ आधुनिक एनर्जी एफिशियंट प्रपल्शन सिस्टम का उपयोग किया गया है, इसलिए यह ऊर्जा की खपत को कम करके परिवहन के अन्य माध्यमों के मुकाबले एक सस्टेनेबल विकल्प हैं। परिवेशीय लाइटिंग और स्मार्ट लाइट समाधान जैसे फीचर्स से ऊर्जा की और ज्यादा बचत होती है।इनमें त्रुटिरहित और हाईस्पीड डेटा ट्रांसमिशन के लिए स्वचालित ट्रैक निरीक्षण प्रणाली के साथ ट्रेन नियंत्रण व प्रबंधन प्रणाली (टीसीएमएस) का उपयोग किया गया है।

भोपाल और इंदौर शहर भारत में स्मार्ट सिटी के रूप में चुने गए हैं, और मेट्रो की सुविधा से इन शहरों का बुनियादी ढांचा काफी आधुनिक बन जाएगा। ये ट्रेनसेट 'मेक इन इंडिया' अभियान के अंतर्गत सवली, गुजरात में एल्सटॉम की अत्याधुनिक रोलिंग स्टॉक मैनुफैक्चरिंग सुविधा में 100 प्रतिशत स्वदेशी स्तर पर बनाए गए हैं। इन ट्रेनसेट से सुरक्षित, विश्वसनीय, प्रभावशाली और किफायती जन परिवहन प्रणाली सुनिश्चित हो सकेगी, जिससे भोपाल एवं इंदौर में आर्थिक गतिविधि बढ़कर लगभग 6 मिलियन नागरिकों को इसका लाभ मिल सकेगा।

नई परियोजनाओं के लिए निजी ऋण पर ध्यान देगा उद्योग

नई दिल्ली। एजेंसी

पीडब्ल्यूसी इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि निजी ऋण भारत में परियोजनाओं के वित्त पोषण के मुख्य स्रोत के तौर पर तेजी से उभर रहा है। कई उद्यमी इक्विटी घटाने के लिए मूल्यांकन अंतर की वजह से धन की कमी के लिए अल्पावधि ऋण विकल्पों पर ध्यान दे रहे हैं। भारत में निजी इक्विटी निवेश में रुझानों के बारे में अधिकारियों का कहना है कि पिछले दो वर्षों में नया निजी इक्विटी निवेश घटा है। इस दौरान कई बाजार से पीई की निकासी भी देखी गई। पीई फंड निवेशकों को तरलता मुहैया कराने के लिए कई कंपनियों के निकट भविष्य में पूंजी बाजारों को टटोलने की संभावना है। पीडब्ल्यूसी इंडिया में पार्टनर ऐंड लीडर (प्राइवेट इक्विटी ऐंड डील्स) भविन शाह ने कहा, 'हमने देखा है कि निजी ऋण के लिए मांग में इजाफा हुआ है। कई बड़े क्रेडिट फंडों ने भारतीय कंपनियों में (दबाव से जूझ रही कंपनियों के अलावा अच्छा प्रदर्शन करने वाले ऋण क्षेत्र दोनों में) अरबों डॉलर का निवेश शुरू कर दिया है।' निजी इक्विटी कंपनियों द्वारा पेश निजी ऋण अन्य संगठित ऋणों के मुकाबले थोड़ी सी ज्यादा ब्याज दर पर दिया जाता है। निजी क्रेडिट कंपनियां अपने वैश्विक अनुभव के साथ उद्यमियों की मदद करती हैं। भारत में निजी इक्विटी निवेश की राह में एक बड़ी समस्या कर से जुड़ी अनिश्चितता है।

शाह ने कहा, 'हालांकि भारत सरकार देश की कर प्रणाली में अधिक स्पष्टता लाने के लिए सक्रिय प्रयास कर रही है, फिर भी हम देख रहे हैं कि कई निजी इक्विटी फंडों को निपट चुके मुद्दों पर आयकर नोटिस मिल रहे हैं।'

पीडब्ल्यूसी में वैश्विक प्रमुख (निजी इक्विटी) एरिक जैनसन ने कहा, 'यह भारत का दशक होगा और दुनियाभर से निजी इक्विटी निवेशक देश में निवेश करने की योजना बना रहे हैं।'

पीडब्ल्यूसी इंडिया के अनुसार 2021 सर्वाधिक निवेश वाला वर्ष था जिसमें भारतीय कंपनियों में बड़ा योगदान निजी पूंजी का रहा। इससे शुरुआती निवेशकों को बड़ी संख्या में बाहर निकलने में मदद मिली। पिछले साल भी सार्वजनिक बाजार में बिक्री के माध्यम से रिकॉर्ड निकासी देखी गई। सौदों की मात्रा वर्ष 2022 के 35 प्रतिशत की तुलना में 2023 में बढ़कर 51 प्रतिशत तक पहुंच गई।

कैलेंडर वर्ष 2022 और 2023 में बड़े आकार के बिकवाली वाले सौदों का आकार 2 करोड़ डॉलर से ज्यादा रहा जो काफी हद तक सार्वजनिक बाजार की बिक्री और अन्य महत्वपूर्ण बिक्री के बल पर हुआ। औसत तौर पर वैश्विक पीई फंडों की निवेश अवधि 6-7 साल की रही और वे कैलेंडर वर्ष 2022 तथा 2023 में अपने मूल निवेश पर 3.5 से 4.5 गुना प्रतिफल हासिल करने में सक्षम रहे।

रेलवे कर रहा अमृत यार्ड मॉडल पर काम; ज्यादा वक्त में ट्रेन की निकासी जैसी कई परेशानियों से मिल सकेगी निजात

नई दिल्ली। एजेंसी

अमृत भारत स्टेशनों और ट्रेनों के बाद रेल मंत्रालय अब अमृत यार्ड की अवधारणा पर काम कर रहा है। यह योजना रेल नेटवर्क के रेलवे यार्डों में भीड़ कम करने के लिए बनाई जा रही है, जहां अभी क्षमता की कमी हो गई है। इसकी वजह से पिछले कुछ साल में हुए रेल ट्रैक के विस्तार के बावजूद रेलों की रफ्तार और आवाजाही प्रभावित हो रही है। अमृत यार्ड योजना को मूर्त रूप देने के लिए मंत्रालय ने रेलवे बोर्ड और सेंटर फॉर रेलवे इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स (क्रिस) के वरिष्ठ अधिकारियों की समिति गठित की है। अधिकारियों के मुताबिक यह अवधारणा स्मार्ट यार्ड मॉडल से ली गई है, जिसे रेलवे यार्ड से ट्रेन की निकासी का वक्त कम करने के लिए पिछले कुछ समय से लागू करने की कवायद कर रहा है। आवाजाही की मात्रा, यातायात प्रबंधन की नीतियों जैसे होने वाली देरी के प्रबंधन, भौतिक लेआउट, इंटरलॉकिंग, ऑटोमेशन तकनीक और रफ्तार को ध्यान में रखते हुए यार्डों की क्षमता के आकलन के लिए समिति का गठन किया गया है। रेलवे इस समय सॉफ्टवेयर पर आधारित यार्ड मोबिलिटी मॉड्यूल तैयार करने पर भी विचार कर रहा है। इसे किसी भी यार्ड डिजाइन में आवाजाही पर नजर रखने के लिए अनुकूलित किया जा सकता है। इसके लिए सभी डेटा सिगनलों के आदान प्रदान और बर्थिंग ट्रैक ऑक्युपेशन को मुख्य स्थान पर स्थित एक सर्वर पर लाने की जरूरत होगी।

अधिकारियों के मुताबिक रियल टाइम सिमुलेटर से रेलवे को उन जंक्शनों पर आवाजाही में सुधार करने में मदद मिलेगी, जिनकी क्षमता शहरों के बीचोबीच होने और वहां जमीन उपलब्ध न होने के कारण नहीं बढ़ाई जा सकती।

इस मामले से जुड़े एक अधिकारी ने कहा, 'कई कवायदें की गई हैं, लेकिन कई व्यवधानों की वजह से प्रमुख जंक्शनों पर यार्ड की क्षमता नहीं बढ़ाई जा सकी। पुरानी दिल्ली स्टेशन जैसे संतृप्त हो चुके प्राथमिक यार्डों की क्षमता बढ़ाने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं, जिनमें यार्ड के परिचालन का ऑटोमेशन और इन यार्डों से कुछ दूर नया यार्ड बनाया जाना शामिल है।' उन्होंने कहा, 'ट्रैक में तेजी से वृद्धि हो रही है, वहीं रेलगाड़ियों की आवाजाही बेहतर नहीं हो सकी है। इसकी वजह यह है कि इन बढ़े ट्रैकों पर चलने वाली ट्रेनों को उन जंक्शनों पर रुकना पड़ता है, जिनकी क्षमता सीमित है। इसकी वजह से आवाजाही में देरी हो रही है।'

यार्ड की मोबिलिटी के आकलन के लिए समिति बेहतरीन राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों का अध्ययन कर रही है। इनके अध्ययन के बाद समिति सिगनलिंग सिस्टम के डेटा के मानकीकरण की सिफारिश करेगी।

बहरहाल रेलवे के पूर्व अधिकारियों ने कहा कि जब तक पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन (पूर्व में मुगलसराय) सहित अन्य प्रमुख जंक्शनों के यार्ड रीमॉडलिंग का काम पूरा नहीं कर लिया जाता है, तब तक बोर्ड के स्तर से होने वाले हस्तक्षेप का कम ही लाभ होगा। भारतीय रेलवे नेटवर्क में डीडीयू जंक्शन सबसे बड़ा व्यवधान का केंद्र है, क्योंकि यहां से बड़ी संख्या में रेलगाड़ियां गुजरती हैं। यह स्टेशन एशिया का सबसे बड़ा मार्शलिंग यार्ड है, जो एक महीने में 500 से ज्यादा रेलगाड़ियों को सेवा प्रदान करता है। खबर लिखे जाने तक इस मसले पर रेल मंत्रालय से मांगी गई जानकारी का कोई उत्तर नहीं मिल सका।

फर्जी मुद्रा डीलरों पर रिजर्व बैंक सख्त

कहा- प्रवर्तन निदेशालय को तुरंत देनी चाहिए ऐसे लेनदेन की सूचना

मुंबई। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को ज्यादा रिटर्न के वादे के साथ विदेशी मुद्रा (विदेशी मुद्रा) कारोबार सुविधाएं प्रदान करने वाली अनधिकृत संस्थाओं पर निशाना साधा है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि अधिकृत डीलरों को ऐसे मामलों का पता चलने पर तुरंत ऐसे लेनदेन की सूचना प्रवर्तन निदेशालय को देनी चाहिए। जांच के दौरान रिजर्व बैंक ने पाया कि अनधिकृत विदेशी मुद्रा कारोबार के लिए इन संस्थाओं ने स्थानीय एजेंट नियुक्त किए हैं, जो मार्जिन, इन्वेस्टमेंट, शुल्क व अन्य चीजों से जुड़े धन को एकत्र करने के मकसद से विभिन्न बैंकों की शाखाओं में खाते खोलते हैं। ये खाते व्यक्तियों, स्वामित्व वाली संस्थाओं, व्यापारिक फर्मों आदि के नाम से खोले जाते हैं। कई ऐसे मामले आए हैं, जिनमें इन खातों से किया गया लेनदेन उस प्रतिष्ठान के बताए गए मकसद के लिए नहीं होते।रिजर्व बैंक ने कहा कि इसके अतिरिक्त, ये संस्थाएं निवासियों को ऑनलाइन ट्रांसफर और भुगतान गेटवे जैसे घरेलू भुगतान प्रणालियों के माध्यम से अनधिकृत विदेशी मुद्रा लेनदेन में शामिल होने के लिए भारतीय रुपये में धनराशि भेजने या जमा करने का विकल्प दे रही हैं।

केंद्रीय बैंक ने कहा है कि अनधिकृत विदेशी मुद्रा कारोबार की सुविधा के लिए बैंकिंग माध्यमों के दुरुपयोग से बचने के लिए ज्यादा निगरानी की जरूरत है।

सेमीकंडक्टर बनाने को स्वदेश लौटेंगे हजारों इंजीनियर

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार को उम्मीद है कि दक्षिण पूर्व एशिया और अमेरिका में काम कर रहे वरिष्ठ तथा अनुभवी भारतीय सेमीकंडक्टर इंजीनियर सैकड़ों की तादाद में भारत लौट आएंगे। सरकार ने सेमीकंडक्टर कंपनियों से मिली जानकारी के आधार पर यह अनुमान लगाया है। माना जा रहा है कि ये इंजीनियर स्वदेश लौटकर नई हाईटेक विनिर्माण क्रांति में भागीदारी करेंगे।

संचार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'दुनिया भर में सेमीकंडक्टर विनिर्माण उद्योग में का कर रही वरिष्ठ प्रतिभाओं में करीब 20-25 फीसदी भारतीय ही हैं। हमें उम्मीद है कि उनमें से कई भारत वापस आएंगे।'

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार कंपनियां मान अनुभवी और शीर्ष प्रतिभाएं भारत आ जाएंगी। दिलचस्प है कि अमेरिका में काम कर रहे जो भारतीय इंजीनियर देश लौटना चाहते हैं, उनमें ज्यादातर युवा हैं, जबकि ताइवान, सिंगापुर और मलेशिया से वापसी करने के इच्छुक इंजीनियर 45 साल से अधिक उम्र के और काफी अनुभवी हैं।

अधिकारी का कहना है कि अमेरिका में काम कर रहे वरिष्ठ एवं अनुभवी सेमीकंडक्टर पेशेवर बाहर नहीं जाना चाहते हैं क्योंकि उनके परिवार वहीं बस चुके हैं और अमेरिका से हटना नहीं चाहते। मगर दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में कई साल से काम कर रहे इंजीनियर भारत लौटना चाहते हैं और नए मौके तलाश रहे हैं। अमेरिका में काम कर रहे युवा भारतीय इंजीनियर भी लौटकर अपने देश में बदलाव करना चाहते हैं। ताइवान और चीन में भी ऐसा ही दिखा है।

अधिकारी ने ताइवान में टाटा के भर्ती अभियान (अपने ओसैट एवं फैब कारखाने के लिए) का उदाहरण दिया। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने चिप विनिर्माण के अड्डे सिंचु में

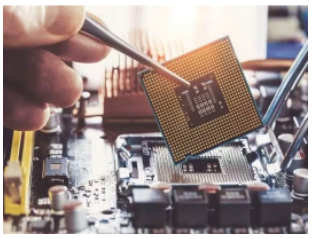

प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए रोडशो किया। कंपनी ऑटोमेशन एवं उपकरण इंजीनियरों से लेकर अन्य कई क्षेत्रों में 5 से 18 साल तक काम कर चुके पेशेवरों की तलाश कर रही है। कंपनी ने प्रौद्योगिकी के लिए ताइवान की चिप कंपनी पीएसएमसी के साथ समझौता किया है, जहां वे प्रशिक्षण ले सकते हैं। टाटा ने इस बारे में पूछे गए सवाल का खबर लिखे जाने तक जवाब नहीं दिया।

अधिकारी ने ऐप्लाइड मटेरियल्स के बेंगलूरु में खुले नए आरऐंडडी केंद्र की कामयाबी की भी तारीफ की और इसे भारतीय प्रतिभाओं को स्वदेश बुलाने का उम्दा उदाहरण बताया। मगर कंपनी ने भी सवाल का कोई जवाब नहीं दिया।

सेमीकंडक्टर कंपनियों को हजारों इंजीनियरों और टेक्नीशियनों की जरूरत है। दुनिया में सबसे ज्यादा इंजीनियर भारत से ही निकलते हैं मगर उनके पास सेमीकंडक्टर बनाने का अनुभव नहीं है। इसलिए कंपनियों को दुनिया भर से वरिष्ठ प्रतिभाएं भारत लानी पड़ेंगी और यहां भी प्रतिभाओं का पूल तैयार करना होगा।

यही कारण है कि कंपनियां देसी प्रतिभाओं को प्रशिक्षित करने के लिए बहुआयामी रणनीति पर आगे बढ़ रही हैं। माइक्रॉन का एटीएमपी कारखाना गुजरात के साणंद में बन रहा है और इस साल दिसंबर तक वहां चिप उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी भारत में भर्ती की गई प्रतिभाओं को शुरुआत में मलेशिया, जापान और दक्षिण कोरिया के अपने कारखानों में प्रशिक्षण देगी।

हालांकि माइक्रॉन से इस बारे में सवाल पूछे गए मगर उसने कोई जवाब नहीं दिया। माइक्रॉन ने गुजरात में गांधीनगर के नैमटेक (न्यू एज मेकर्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) के साथ इसी साल एक समझौता किया है ताकि दुनिया भर के इंजीनियरों से होड़ करने वाली भारतीय प्रतिभाएं सेमीकंडक्टर उद्योग को लगातार मिल सकें। यह संस्थान आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया की पहल है और सिस्को के साथ इसकी साझेदारी है।

मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि अन्य कंपनियां भी ऐसे संस्थानों का लाभ उठा सकती हैं। उन्होंने कहा कि टाटा अपने कुछ इंजीनियरों को हैदराबाद के आरऐंडडी केंद्र में भी प्रशिक्षित करेगी, जहां ओसैट कारखाना लगाने के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद की निरमा यूनिवर्सिटी और आईआईटी गांधीनगर भी ऐसी प्रतिभाएं तैयार कर रहे हैं।

मगर चुनौतियां अब भी हैं। अनुभवी प्रशिक्षित इंजीनियरों की कमी के कारण ताइवान की कंपनियां भारत में निवेश से झिझक सकती हैं। ताइवान के विदेश व्यापार मंत्री जोसेफ वू ने सार्वजनिक तौर पर कहा है कि बोझिल प्रशासनिक ढांचा, अनुभवी इंजीनियरों की कमी, इलेक्ट्रॉनिक्स पुर्जों के आयात पर अधिक शुल्क गंभीर चुनौतियां हैं, जिन्हें ताइवानी कंपनियों से भारी निवेश पाने से पहले खत्म करना होगा।

कुंडली में गुरु और शुक्र की पीड़ा से होती है धन की कमी, जरूर करें काली हल्दी से जुड़ा ये उपाय

हिंदू धर्म में हल्दी को काफी शुभ माना जाता है। यह औषधीय गुणों से भरपूर होने के साथ ज्योतिषीय उपायों में भी उपयोग में लाई जाती है। कई धार्मिक अनुष्ठानों में पीली हल्दी का उपयोग किया जाता है। धार्मिक विश्वास है कि हल्की से जुड़े अनुष्ठान करने से धन, सुरक्षा और व्यावसायिक समस्याओं को हल होता है, लेकिन आज हम आपको काली हल्दी के धार्मिक व ज्योतिषीय महत्व के बारे में बताएं। इससे जुड़े कुछ ज्योतिषीय उपाय करने से भी आप जीवन में सुख, शांति और समृद्धि पा सकते हैं।

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

दूर होती है वित्तीय समस्या

काली हल्दी से जुड़े उपाय करने से जातक के जीवन से वित्तीय कठिनाई दूर होती है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है। यदि आप अपनी वित्तीय स्थिति ठीक करना चाहते हैं तो पीले कपड़े में काली हल्दी, गोमती चक्र, कौड़ी और एक चांदी का सिक्का लपेटकर अलमारी में रखना चाहिए। इससे आर्थिक लाभ होता है।

दूर होगी नकारात्मकता

7, 9 या 11 काली हल्दी की गांठों को एक साथ बांधकर शुद्ध करके माला पहनने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है। धन की रुकावट दूर होती है। व्यापार में मुनाफा होने लगता है।

सिंदूर के साथ रखें काली हल्दी

गुरु पुष्य नक्षत्र में काली हल्दी को सिंदूर में रखना चाहिए और इसे किसी लाल रंग के कपड़े में लपेटकर रखना चाहिए। कपड़े में कुछ सिक्के भी रखना चाहिए। ऐसा करने से धन में बढ़ोतरी होती है।

केसर के जल में प्रवाहित करें काली हल्दी

यदि व्यापार में हानि हो रही है तो काली हल्दी को पीसकर केसर के साथ-साथ पवित्र नदी का जल प्रवाहित करें। इसके अलावा काली हल्दी से कार्यस्थल पर स्वास्तिक का चिन्ह बनाएं। ऐसा करने से भी आर्थिक लाभ होता है।

स्वस्तिक बनाने में करें इन चीजों का उपयोग, मिलने लगेंगे शुभ परिणाम

पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

सनातन धर्म में स्वस्तिक चिह्न बनाकर ही किसी शुभ कार्य को किया जाता है। इसे एक शुभ प्रतीक माना जाता है। कहा जाता है कि स्वास्तिक चिह्न घर में बनाया जाए, तो सकारात्मकता बढ़ती है। ऐसे में स्वस्तिक चिह्न बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, जिससे आपको शुभ फल की प्राप्ति हो सके।

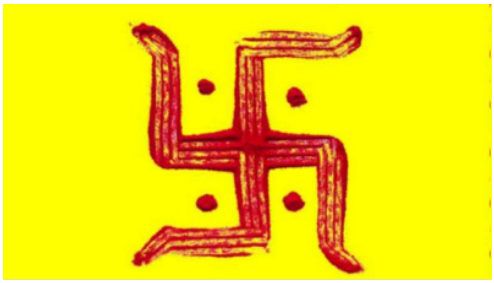

चार दिशाओं का प्रतिनिधित्व

हिंदू धर्म में स्वस्तिक चिह्न को मंगल चिह्न के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इसे घर में बनाया जाए, तो सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही व्यक्ति के सभी शुभ कार्य अच्छे से संपन्न होते हैं। यह भी माना जाता है कि यह सौभाग्य को आकर्षित करता है। शास्त्रों में भी इस चिह्न को शुभ बताया गया है। ऋग्वेद में भी स्वस्तिक को सूर्य का प्रतीक माना गया है। स्वस्तिक की चार भुजाएं चार दिशाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं।

इस दिशा में बनाएं

वास्तु शास्त्र के अनुसार, स्वस्तिक चिह्न उत्तर पूर्व दिशा, जिसे ईशान कोण कहा जाता है, उसमें बनाना चाहिए। इससे व्यक्ति को जीवन में सकारात्मक परिणाम मिलते हैं। इसके अलावा स्वस्तिक चिह्न को उत्तर दिशा में बनाना भी शुभ होता है। पूजा स्थल के साथ-साथ आप घर के मुख्य द्वार पर भी स्वस्तिक चिह्न लगा या बना सकते हैं। इस तरह आप वास्तु संबंधी समस्याओं से मुक्त रहेंगे और घर में सकारात्मक ऊर्जा आएगी।

इन चीजों का करें प्रयोग

स्वस्तिक बनाने के लिए हल्दी या सिंदूर का प्रयोग करना लाभकारी माना जाता है। शुभ परिणामों की प्राप्ति के लिए अपने घर में अष्टधातु या तांबे से बना स्वस्तिक चिह्न भी रख सकते हैं। इससे व्यक्ति के धन प्राप्ति के मार्ग भी प्रशस्त होता है।

कनेर के पौधे को घर में लगाने के कई फायदे, इस दिशा में लगाने से पूरी जिंदगी बदल देगा

ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में कई पेड़-पौधों का उल्लेख है। जिन्हें घर में लगाना अनुकूल माना जाता है। कुछ पौधों को घर पर नहीं लगाना चाहिए। क्या कनेर का पौधा घर के लिए शुभ है। क्या कनेर के पौधे को किस दिशा में लगाना चाहिए।

कनेर के पौधे का संबंध देवी लक्ष्मी से माना जाता है। कनेर के पौधे को घर में लगाने से धन की देवी का वास स्थापित होता है। घर में मौजूद नकारात्मक शक्ति और बाधा दूर हो जाती है।

कनेर के पौधे को घर में लगाने से शुभता बढ़ती है। धन लाभ के योग बनते हैं। अटका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाता है। घर में सकारात्मता बढ़ती है। वास्तु दोष भी दूर होने लगता है।

कनेर के पौधे को घर में लगाने से सुख, समृद्धि और संपन्नता का आगमन होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, सफेद और पीले रंग के कनेर का फूल घर में लगाना चाहिए। इससे देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

घर में लाल रंग के कनेर फूल वाले पौधा नहीं लगाना चाहिए। लाल रंग का कनेर अशुभ होता है। सफेद और पीले रंग के पौधे को घर में पश्चिम या पूर्व दिशा में लगाना चाहिए।

वरुथिनी एकादशी 4 मई को, तीन शुभ योग होंगे निर्मित, ये है पूजा का शुभ मुहूर्त

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ इंदौर (म.प्र.)

हिंदू धर्म में एकादशी पर्व का विशेष महत्व है। ऐसे में वैशाख माह के कृष्ण पक्ष में वरुथिनी एकादशी मनाई जाती है, जो इस साल 4 मई को है। पौराणिक मान्यता है कि वरुथिनी एकादशी की धार्मिक महत्व खुद भगवान कृष्ण अर्जुन को बताया था। इस व्रत को यदि विधि-विधान से किया जाता है तो जातक को सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

इसलिए किया जाता है एकादशी व्रत

वरुथिनी एकादशी वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को कहते हैं। इस व्रत को करने से भगवान विष्णु के सभी अवतार प्रसन्न होते हैं। आचार्य के मुताबिक, इस व्रत को करने से व्रती को जीवन में कभी धन की कमी नहीं होती है। कर्ज से मुक्ति मिलती है और परिवार में संपन्नता आती है।

वरुथिनी एकादशी का पूजा मुहूर्त

वरुथिनी एकादशी तिथि का आरंभ 3 मई की रात 11.24 बजे होगा और इस तिथि का समापन 4 मई को 8.38 बजे पर होगा। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा के लिए शुभ समय सुबह 07.18 बजे से सुबह 08.58 बजे तक रहेगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, वरुथिनी एकादशी के दिन त्रिपुष्कर योग, इंद्र योग और वैधृति योग बनने से यह तिथि शुभ मानी जा रही है।

वरुथिनी एकादशी का पौराणिक महत्व

धार्मिक मान्यता है कि वरुथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के साथ धन की देवी माता लक्ष्मी की भी पूजा करना चाहिए। वरुथिनी एकादशी के महत्व के बारे में खुद भगवान कृष्ण ने अर्जुन को बताया था। इस व्रत को करने से कन्यादान के समान पुण्य मिलता है। पौराणिक मान्यता है कि राजा मान्धाता को वरुथिनी एकादशी व्रत करके ही स्वर्ग की प्राप्ति हुई थी।

कालाष्टमी पर बनने जा रहे हैं ये 5 अद्भुत संयोग, भगवान का मिलेगा आशीर्वाद

श्रीमती नीतू मित्तल
8959760040
ज्योतिषाचार्य, इंदौर (म.प्र.)

सनातन पंचांग के अनुसार कालाष्टमी 1 मई को पड़ रही है। यह त्योहार हर महीने कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव देव की पूजा की जाती है। इस दिन व्रत करने से व्यक्ति को किसी विशेष कार्य में सफलता प्राप्त होती है। कालाष्टमी की तिथि पर तांत्रिक रात्रि के समय कठिन साधना करके आराध्य काल भैरव देव को प्रसन्न करते हैं। इनकी कृपा से साधक को विशेष प्रकार की विद्या में दक्षता प्राप्त होती है। ज्योतिषियों के मुताबिक, वैशाख कालाष्टमी पर शुभ योग बनने जा रहे हैं। कई अद्भुत संयोग भी बन रहे हैं। इन योगों में काल भैरव देव की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

शुभ मुहूर्त

ज्योतिषियों के अनुसार, वैशाख माह में कृष्ण पक्ष अष्टमी 1 मई को सुबह 05:45 बजे शुरू होगी और 2 मई को सुबह 04:01 बजे समाप्त होगी। 1 मई को कालाष्टमी का व्रत रखा जाएगा।

योग

कालाष्टमी पर एक शुभ और मंगलकारी योग बन रहा है। इस योग का निर्माण शाम 08 बजकर 02 मिनट तक है। इसके बाद शुक्ल योग बन रहा है। ज्योतिष इसे शुभ और सर्वोत्तम मानते हैं। इन योगों में भगवान शिव की पूजा करने से साधकों को शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

शिववास

ज्योतिष गणना के अनुसार, 1 मई यानी कालाष्टमी की तिथि पर शिवत्व का योग बन रहा है। इस दिन भगवान शिव, आदिशक्ति माता पार्वती के साथ रहेंगे। इस दौरान भगवान शिव की पूजा करने से घर में खुशहाली आती है।

टाटा मोटर्स ने मैजिक के खुशहाल ग्राहकों की संख्या 4 लाख पहुंचने की उपलब्धि हासिल की; सेगमेंट में पहले मैजिक बाई- फ्यूल को लॉन्च किया

नए वैरिएंट को सीएनजी और पेट्रोल के दोहरे लाभ के साथ अंतिम गंतव्य तक परिवहन को स्मार्ट बनाने के लिहाज से डिजाइन किया गया है

मुंबई। एजेंसी

भारत के सबसे बड़े कॉमर्शियल वाहनों के निर्माता, टाटा मोटर्स ने भारत की सबसे पसंदीदा टाटा मैजिक वैन के खुशहाल ग्राहकों की संख्या 4 लाख पहुंचने की उपलब्धि हासिल की है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, कंपनी ने अपने उपभोक्ताओं की सहूलियत को और बढ़ाने के लिए नया वैरिएंट मैजिक बाई-फ्यूल भी लॉन्च किया। अंतिम गंतव्य तक परिवहन की सुविधा प्रदान करने में विश्वसनीय, दक्ष और किफायती होने के लिए मशहूर, 10 सीटर टाटा मैटिक यात्रियों और ऑपरेटर्स के लिए एकदम उपयुक्त पसंद है। टाटा मैजिक की स्लीक डिजाइन, सुरक्षा और यात्रियों का आराम पिछले इतने सालों से जारी इसकी निरंतर सफलता के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।

टाटा मैजिक कई उपयोगी फीचर्स के साथ आती है, जिसमें इको स्विच, गियरशिफ्ट एडवाइजर और बेहतरीन ड्राइवर एर्गोनॉमिक्स जैसे कई बेहतरीन फीचर्स शामिल हैं और इन सबका लक्ष्य स्वामित्व की कुल लागत को कम करना है। मैजिक छात्रों और कंपनियों के स्टाफ को उनकी मंजिल तक पहुंचाने के लिए बिल्कुल परफेक्ट हैं। मैजिक बाई-फ्यूल 694 सीसी इंजन से लैस है और यह 60 लीटर के सीएनजी टैंक के साथ पांच लीटर के पेट्रोल टैंक में आता है। एक बार पूरी टंकी पुल होने पर यह 380 किलोमीटर तक चल सकती है । बेमिसाल परफॉर्मेंस और रख-रखाव की कम लागत के साथ मिलने वाली, मैजिक पर 2 साल या 72 हजार किमी की असाधारण वारंटी दी गई है।

टाटा मोटर्स कॉमर्शियल व्हीकल्स के वाइस प्रेसिडेंट एवं हेड श्री आनंद एस. ने इस उपलब्धि के बारे में कहा, 'हम बहुउपयोगी मैजिक ब्रांड के लिए 4 लाख खुशहाल ग्राहकों की उपलब्धि हासिल करने बहुत खुश हैं। मैजिक भरोसे, दक्षता और कम्फर्ट की 4 लाख यात्राओं का जश्न मना रहा है और यह भारत में सार्वजनिक परिवहन का सबसे पसंदीदा प्रोडक्ट बना हुआ है। इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए, हमने अपने सेग्मेंट में पहली बार मैजिक बाई-फ्यूल लॉन्च किया है, जिसमें पेट्रोल की विस्तारित रेंज के साथ सीएनजी के फायदे भी हैं। इस नए वैरिएंट को सार्वजनिक परिवहन की उभरती जरूरतों को पूरा करने के साथ हमारे उपभोक्ताओं की मुनाफा कमाने की क्षमता और सुविधा को बढ़ाने के लिए बनाया गया है। हम अपने उपभोक्ताओं के सहयोग और निष्ठा के लिए आभारी हैं और उपभोक्ताओं को लगातार यातायात के बेहतरीन साधन प्रदान करने के लिए समर्पित बने हुए हैं।''

सैमसंग ने 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' का तीसरा सीजन लॉन्च किया

जिसमें कम्युनिटी और एनवायरनमेंट जैसे थीमों पर स्कूल और युवाओं के लिए अलग-अलग ट्रैक्स हैं; 2024 एडिशन ने 90 लाख रूपये से ज्यादा के अनुदान की पेशकश की

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत- 10 अप्रैल, 2024: सैमसंग, भारत के सबसे बड़ेकंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्राण्ड, ने अपनी प्रमुख सीएसआर पहल 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' के तीसरे संस्करण की घोषणा कर दी है। इसका आयोजन फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एण्ड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी), आईआईटी दिल्ली, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और यूनाइटेड नेशंस इन इंडिया के सहयोग से किया जा रहा है। 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' के साथ सैमसंग का लक्ष्य देश के युवाओं के बीच अभिनव चिंतन एवं समस्या हल करने की संस्कृति को बढ़ावा देना है। 'सॉल्व फॉर टुमॉरो 2024' का उद्घाटन सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंटएवं सीईओ श्री जेबी पार्क, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ निदेशक और वैज्ञानिक 'जी' डॉ. संदीप चटर्जी और भारत में यूनाइटेड नेशंस के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर श्री शोम्बी शार्प ने किया। इस मौके पर अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे। यह सीएसआर कार्यक्रम अभिनव समाधानों की शक्ति और जीवन बदलने में उनकी योग्यता को पहचान देता है। इसका मजबूत सामाजिक प्रभाव होता है और सैमसंग का #TogetherforTomorrow #EnablingPeople का नजरियामजबूत होता है। इस साल 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' प्रोग्राम ने दो अनूठे ट्रैक पेश किये हैं- स्कूल ट्रैक और यूथ ट्रैक। हर ट्रैक एक विशेष थीम का समर्थन करता है और अलग-अलग आयु समूहों पर लक्षित है। दोनों ट्रैक साथ-साथ चलेंगे, ताकि सभी विद्यार्थियों को समान अवसर और स्थितियाँ मिलें। स्कूल ट्रैक 14 से 17 साल तक के विद्यार्थियों के लिये है और इसका थीम है ''कम्युनिटी एण्ड इंक्लूजन''। यह ट्रैक कम सुविधा-प्राप्त समूहों के उत्थान के महत्व पर जोर देता है। यह सामाजिक नवाचारों के माध्यम से स्वास्थ्य की सुलभता बढ़ाने और सभी के सामाजिक समावेश के लिये है और इस प्रकार 'सॉल्विंग फॉर इंडिया' है।

कुछ ही महीनों में चालू होने वाला है नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट,

ग्राउंड हैंडलिंग सर्विसेज देगा बर्ड ग्रुप

नई दिल्ली। एजेंसी

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की जल्द ही शुरुआत होने जा रही है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने एयरपोर्ट पर ग्राउंड हैंडलिंग संसाधन और सेवाएं देने के लिए बर्ड ग्रुप के साथ एक रियायत समझौता किया है। यह साझेदारी एयरपोर्ट पर कुशल और निर्बाध ग्राउंड हैंडलिंग गतिविधियों को सुनिश्चित करेगी। इससे यात्रियों को शानदार अनुभव मिलेगा। बता दें कि बर्ड ग्रुप, एक भारतीय कंपनी जो अपनी विश्व स्तरीय ग्राउंड हैंडलिंग क्षमताओं के लिए जानी जाती है। इसे विमान सेवाओं में 50 साल से ज्यादा का अनुभव है और यह भारत के 21 एयरपोर्ट पर ग्राउंड हैंडलिंग का काम करती है। इस समझौते के तहत, ै उदल्ज यात्रियों के लिए आने-जाने से लेकर उनके सामानों की देखभाल तक, कई तरह की जमीनी सेवाएं मुहैया कराएगी। एयरपोर्ट नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए बर्ड ग्रुप यह सुनिश्चित करेगा कि सभी ग्राउंड सेवा उपकरण (उएं) इलेक्ट्रिक होंगे। इससे कार्बन उत्सर्जन कम होगा और पर्यावरण को फायदा होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री क्रिस्टोफ श्नेलमैन के मुताबिक, 'हम ै उदल्ज के साथ साझेदारी करके खुश हैं। बर्ड ग्रुप की विशेषज्ञता और नई तकनीक अपनाने की सोच, विश्वस्तरीय एयरपोर्ट बनाने में हमारी बहुत मदद करेगा। ग्राउंड हैंडलिंग एयरपोर्ट के सुचारू रूप से चलने के लिए महत्वपूर्ण है। इस सहयोग से हमें उम्मीद है कि यात्रियों को हर बार बेहतरीन अनुभव मिलेगा।' बर्ड ग्रुप के कार्यकारी निदेशक गौरव भाटिया के मुताबिक, 'इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनकर हम गर्व महसूस कर रहे हैं। राजधानी के दूसरे एयरपोर्ट पर ग्राउंड हैंडलिंग सेवा देने वाली पहली कंपनी बनना, हमारे सफर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भारतीय संस्कृति और स्विस टेक्नोलॉजी के मेल से बनने वाला एक आधुनिक एयरपोर्ट होगा। पूरी तरह बनने के बाद, ये एयरपोर्ट हर साल 70 करोड़ यात्रियों को सेवा दे सकेगा।

रम, बीयर, ओरिगैमी पेपर, छाता, घड़ी, मसाले, नजरबट्टू... दुनियाभर में सबसे ज्यादा बिकने वाले सोवेनियर

नई दिल्ली। एजेंसी

दुनिया के हर देश का खान-पान, तौर तरीके, परंपराएं और सामाजिक रहन-सहन अलग तरह का होता है। यही वजह है कि जब विदेशों से कोई पर्यटक घूमने आता है तो याद के तौर पर अपने साथ कुछ न कुछ खरीदकर ले जाता है। इसे सोवेनियर कहा जाता है। दुनियाभर के देशों में टॉप-सेलिंग सोवेनियर भी अलग-अलग तरह के हैं। किसी देश में सोवेनियर के तौर पर शराब की सबसे ज्यादा बिक्री होती है तो कहीं मसालों की। मसलन भारत में टॉप-सेलिंग सोवेनियर मसाले हैं। इसी तरह अमेरिका आने वाले ज्यादातर टूरिस्ट वहां से मिठाइयां खरीदकर ले जाते हैं। इसी तरह जापान जाने वाले टूरिस्ट वहां से यादगार के तौर पर ओरिगैमी पेपर खरीदना पसंद करते हैं। दक्षिण अफ्रीका में सोवेनियर के तौर पर सबसे ज्यादा बिकने वाला प्रॉडक्ट जूलू स्पून है। जूलू दक्षिण अफ्रीका की मुख्य जनजाति है। पूर्वी अफ्रीका के देश मॉरीशस में सबसे ज्यादा बिकने वाला सोवेनियर रम है। यानी विदेशों से आने वाले लोग मॉरीशस से रम खरीदकर अपने साथ ले जाना पसंद करते हैं। लाइब्रेरिया में सोवेनियर के तौर पर सबसे ज्यादा परंपरागत मुखौटों की बिक्री होती है। पाकिस्तान में सोवेनियर के तौर पर विदेशी सबसे ज्यादा शॉल की खरीदारी करते हैं। दक्षिण कोरिया में कोरियन टी, लेबनॉन में किताबें, इजरायल में जूलरी, ईरान में कारपेट और बांग्लादेश में रिसाइक्लड राइस बैग सबसे ज्यादा बिकने वाले सोवेनियर हैं।

नजरबट्टू

ऑस्ट्रेलिया आने वाले विदेशी टूरिस्ट सबसे ज्यादा बूमरेंग की खरीदारी करते हैं। यह एक तरह का हथियार होता है जिसे ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासी यूज़ करते थे। यह फेंकने वाले के ही पास वापस आ जाता है। क्यूबा सिगार के लिए मशहूर है और वहां सोवेनियर के तौर पर सबसे ज्यादा इसी की बिक्री होती है। ब्रिटेन में सोवेनियर के तौर पर सबसे ज्यादा छाते बिकते हैं। यूरोपीय देश लक्जमबर्ग में घड़ियां, जर्मनी में बीयर, नॉर्वे में स्वेटर और बेल्जियम में चॉकलेट की सोवेनियर के तौर पर सबसे ज्यादा बिक्री होती है। तुर्की में The Evil Eye सबसे ज्यादा बिकने वाला सोवेनियर है।

ट्रैवल बुकिंग पर शानदार डिस्काउंट के साथ ईज़मायट्रिप ने शुरू की ईज़ी समर सेल

23 अप्रैल से 27 अप्रैल, 2024 तक, ईज़मायट्रिप की ईज़ी समर सेल घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों, होटलों, बसों, कैबों और हॉलिडे पैकेजेस पर भारी छूट देगी

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत के अग्रणी ऑनलाइन ट्रैवल टेक प्लेटफार्मों में से एक ईज़मायट्रिप डॉट कॉम ने ईज़ी समर सेल की शुरुआत की है, जो एक विशेष ग्रीष्मकालीन सेल है जो यात्रा सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर भारी छूट दे रही है। यह सेल 23 अप्रैल से 27 अप्रैल 2024 तक चलेगी और यात्रियों को फ्लाइट्स, होटल, बस टिकट, कैब किराए और हॉलिडे पैकेजों पर आकर्षक डील्स के साथ एडवेंचर का एक एक्स्ट्रा डोज देने के लिए डिज़ाइन की गई है।

ईज़ी समर सेल के दौरान ग्राहक ये डिस्काउंट पा सकते हैं-

हवाई यात्रा - 27% तक की छूट
होटल - 60% तक की छूट
बसें - 15% तक की छूट
कैब - 12% तक की छूट
हॉलिडे - रु. 30,000 तक की छूट

इन शानदार छूटों का लाभ उठाने के लिए, ग्राहक ईज़मायट्रिप ऐप या वेबसाइट के माध्यम से बुकिंग करते समय कूपन कोड EMTSUMMER का उपयोग कर सकते हैं। इसके अलावा, चुनिंदा बैंक पार्टनर्स जैसे कि आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड (अमेज़न पे क्रेडिट कार्ड सहित) के साथ बुकिंग करके, उपयोगकर्ता अतिरिक्त छूट प्राप्त कर सकते हैं, जिससे आपका यात्रा अनुभव और भी समृद्ध हो जाता है। इस सेल को और भी रोमांचक बनाने के लिए, बिक्री अवधि के दौरान किए गए प्रत्येक लेनदेन से आपको शॉपर्स स्टॉप, गिवा, नाशेर माइल्स, ईजी डिनर और स्निच सहित चुनिंदा ब्रांड पार्टनर से गिफ्ट वाउचर जीतने का मौका मिलता है।

इस बिक्री के लिए ईजमाईट्रिप ने कई प्रतिष्ठित एयरलाइन पार्टनर्स के साथ हाथ मिलाया है, जिनमें अमेरिकन एयरलाइंस, एयर अस्ताना, एयर मॉरीशस, एलायंस एयर, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर, एयर फ्रांस, केएलएम, डेल्टा एयरलाइंस, ब्रिटिश एयरवेज, कैथे पैसिफिक, इजिप्ट एयर, इथियोपियन एयरलाइंस, गल्फ एयर, आईटीए एयरवेज, इंडिगो, केन्या एयरवेज, लुफ्थांसा, स्विस इंटरनेशनल एयर लाइंस, लोट पोलिश, म्यांमार एयरलाइंस, ओमान एयर, क्वांटास एयरवेज, कतर एयरवेज, सिंगापुर, सऊदी एयरलाइंस, स्पाइस जेट, टर्किश एयरलाइंस, वर्जिन अटलांटिक, विस्तारा और जापान एयरलाइंस शामिल हैं।

इस एक्सक्लूसिव सेल के लिए चयनित होटल भागीदारों में फर्ना, स्त्री, बाइक, वेलकमहेरिटेज, जस्टा, फैब होटल, द क्लार्क्स होटल्स, अनंता, ब्रिज, कंट्री इन साहिबाबाद, ट्री ऑफ लाइफ, फतेह कलेक्शन, इंडे होटल्स, स्टोनवुड रिसॉर्ट्स, रमाडा गुड़गांव सेंट्रल, ट्रीहाउस, मैग्नस ग्रुप, रमी ग्रुप, निरमाया, प्लेयोटेल, वाउ स्टेज़, विट्स, माउंट ग्रुप ऑफ होटल्स, सुबा ग्रुप, अमृतारा, ओटीएचपीएल, वन अर्थ, स्टारलिट, बियॉन्ड स्टे, ले रोई, जोन बाय द पार्क, सयाजी, प्राइड, नीमराना, लाइमेट्री, वेस्टा होटल्स एंड रिसॉर्ट, एसियोटेल, क्लब महिंद्रा और स्टर्लिंग जैसे प्रसिद्ध नाम शामिल हैं।

ईज़ी समर सेल के बारे में ईज़मायट्रिप के को फाउंडर श्री रिकांत पिट्टी ने कहा, 'इस धूप और रोमांच के मौसम में हम ईज़ी समर सेल पेश करने में खुशी हो रही है, जो उड़ानों, होटलों, बसों, कैबों और हॉलिडे पैकेजों पर शानदार छूट प्रदान करती है। ईज़मायट्रिप में, हमारा मानना हैं कि यात्रा सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए, और यह सेल यह सुनिश्चित करने का हमारा तरीका है कि हर कोई नए डेस्टिनेशन को एक्सप्लोर करने की खुशी का अनुभव कर सके। विशेष रूप से क्यूरेटेड फ्लाइट्स, होटलों पर छूट और हमारे सभी ऑफ़रों पर अविश्वसनीय बचत के साथ, अपने ड्रीम वेकेशन प्लान बनाने के लिए इससे बेहतर समय कभी नहीं रहा। और हमारे विशेष बैंक ऑफ़र और रोमांचक उपहारों के साथ, हर बुकिंग और भी अधिक बचत और आश्चर्य का अवसर बन जाती है।

छूट का लाभ उठाने के लिए, उपयोगकर्ताओं को अपनी चुनी हुई मंजिल के लिए फ्लाइट, होटल, बस, कैब या हॉलिडे बुक करना होगा और चेकआउट के समय कूपन कोडः 'ईऊएळश्ईं' लगाना होगा। हर ट्रांज़ैक्शन के बाद, ग्राहकों को उनकी बुकिंग की पुष्टि करने वाला एक ईमेल प्राप्त होगा, साथ ही कई गिफ्ट वाउचर भी मिलेंगे। ये वाउचर ईमेल में प्रत्येक ब्रांड से जुड़े 'रेडीम नाउ' बटन पर क्लिक करके रिडीम किए जा सकते हैं। यह ऑफर नए और मौजूदा दोनों ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। यह प्रमोशन 23 अप्रैल से 27 अप्रैल, 2024 तक मान्य है, यह ऑनलाइन बुकिंग पर लागू होता है जो ईज़मायट्रिप की वेबसाइट और ऐप के माध्यम से की गई है।

इसके अलावा, ग्राहक रोमांचक उपहार पुरस्कारों में भी भाग ले सकते हैं। ईज़मायट्रिप के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट को फॉलो करके, ईज़ी समर सेल कॉन्टेस्ट में भाग लेकर और विजेताओं की सूची के अपडेट के लिए नियमित रूप से इंस्टाग्राम स्टोरीज की जांच करके, उपयोगकर्ताओं के पास शानदार पुरस्कार जीतने का मौका है। विजेताओं की घोषणा बिक्री के बाद विशेष रूप से ईज़मायट्रिप के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर की जाएगी।

भारतपे ने भारतपे वन लॉन्च कियाः भारत का पहला ऑल-इन-वन पेमेंट डिवाइस

नई दिल्ली। एजेंसी

फिनटेक उद्योग में भारत के अग्रणी भारतपे ने आज भारतपे वन के लॉन्च की घोषणा की, जो भारत का पहला ऑल-इन-वन पेमेंट उत्पाद है जो पीओएस, क्यूआर और स्पीकर को एक डिवाइस में इंटीग्रेट करता है। यह नया उत्पाद व्यापारियों के लिए लेनदेन को सुव्यवस्थित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो डेबिट और क्रेडिट कार्ड की एक विस्तृत श्रृंखला में गतिशील और स्थिर क्यूआर कोड, टैप-एंड-पे और पारंपरिक कार्ड भुगतान विकल्पों सहित बहुमुखी पेमेंट स्वीकृति विकल्प प्रदान करता है। कंपनी की योजना पहले चरण में 100द्द शहरों में उत्पाद लॉन्च करने की है। अगले 6 महीनों के दौरान इसे 450द्द शहरों तक बढ़ाया जाएगा।

रियल टाइम लेनदेन अपडेट और तुरंत वॉयस भुगतान पुष्टि के साथ, भारतपे वन खुदरा दुकानों पर भुगतान अनुभव को अगले स्तर पर ले जाएगा। यह व्यापारियों और ग्राहकों दोनों के लिए एक आसान और परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करता है। हाई-डेफिनिशन टचस्क्रीन डिस्प्ले, 4जी और वाई-फाई कनेक्टिविटी से लैस और नवीनतम एंड्रॉइड ऑपरेटिंग सिस्टम द्वारा संचालित, भारतपे वन बेहतर प्रदर्शन और सुरक्षा प्रदान करता है।

यूजर्स के अनुकूल इंटरफेस, पोर्टेबल डिज़ाइन और व्यापक लेनदेन डैशबोर्ड के साथ, भारतपे वन ऑफ़लाइन व्यापारियों की विभिन्न जरूरतों को पूरा करता है।

भारतपे के सीईओ नलिन नेगी ने कहा, ''भारतपे वन के साथ, हम एक और डिसरप्टिव उत्पाद लेकर आए हैं जो डिजिटल भुगतान के नजरिये को बदल देगा। देश भर के लाखों ऑफ़लाइन व्यापारियों के लिए दक्षता और सुविधा बढ़ाएगा। कई फंक्शनालिटी को एक लागत प्रभावी उपकरण में जोड़कर, हम विभिन्न क्षेत्रों में छोटे और मध्यम व्यवसायों की विभिन्न जरूरतों के अनुरूप एक व्यापक समाधान प्रदान कर रहे हैं। भारतपे एक मर्चेंट-प्रथम कंपनी है और यह अत्याधुनिक डिवाइस ऑफ़लाइन व्यापारियों के लिए एक पसंदीदा भागीदार बनने, मूल्य प्रदान करने और उनके व्यापार विकास को मजबूत बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।'' भारतपे के मुख्य बिजनेस अधिकारी-पीओएस सॉल्यूशंस, रिजीश राघवन ने कहा, 'भारतपे वन को हमारे व्यापारी भागीदारों को एकीकृत और निर्बाध भुगतान अनुभव प्रदान करने के लिए 'वन-स्टॉप डिवाइस' के रूप में डिजाइन किया गया है। मुझे विश्वास है कि भारत का यह पहला ऑल-इन-वन पेमेंट डिवाइस व्यापारियों को एक बेहतर ग्राहक अनुभव सुनिश्चित करने में मदद करेगा, जिससे ग्राहकों की खुशी सुनिश्चित होगी। पायलट चरण में हमें अपने व्यापारियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है और हमारा मानना है कि यह डिजिटल भुगतान इकोसिस्टम के लिए एक और गेम चेंजर साबित होगा, जो फिनटेक उद्योग में अग्रणी के रूप में हमारी स्थिति को और मजबूत करेगा।

नेस्ले इंडिया के 'बायोडाइजेस्टर प्रोजेक्ट' ने डेयरी किसानों के लिये स्थायी भविष्य का रास्ता दिखाया

इस परियोजना का लक्ष्य कमाई के अवसर देना और पर्यावरण पर बुरे प्रभाव को कम करना है

नई दिल्ली। एजेंसी

नेस्ले इंडिया 'बायोडाइजेस्टर प्रोजेक्ट' के साथ जिम्मेदारी से सोर्सिंग करने और डेयरी फार्म्स से होने वाले उत्सर्जन को कम करने के लिये अपनी अटूट प्रतिबद्धता दिखा रही है। बायोडाइजेस्टर टेक्नोलॉजी पशुओं से मिलने वाली खाद को शुद्ध बायोगैस में बदल देती है और इस प्रकार डेयरी फार्म्स का कार्बन फुटप्रिंट कम हो जाता है। बचे हुए घोल का इस्तेमाल प्राकृतिक उर्वरक के रूप में होता है और इससे कृषि की पुनरुत्पादक पद्धति में योगदान मिलता है। इस पहल के तहत नेस्ले इंडिया पंजाब और हरियाणा के 24 जिलों में लगभग 70 बड़े बायोडाइजेस्टर्स और 3000 से ज्यादा छोटे बायोडाइजेस्टर्स स्थापित करने की प्रक्रिया में है।

छोटे डेयरी फार्म्स में पशुओं से मिलने वाली खाद को खुला छोड़ दिया जाता है और इससे जीएचजी का उत्सर्जन होता है। इस खाद को बायोडाइजेस्टर्स में डालने से उसका माइक्रोबियल ब्रेकडाउन होता है और बायोगैस बनती है। छोटे बायोडाइजेस्टर्स जो बायोगैस बनाते हैं, वह एलपीजी और ईंधन की लकड़ी की जगह ले सकती है। इससे किसानों की सेहत को धुएं से होने वाला खतरा कम होगा और उन्हें आर्थिक लाभ भी होगा। इन फायदों के अलावा,बड़े बायोडाइजेस्टर्स 100% नवीकरण योग्य बिजली भी बना सकते हैं और इससे पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव होगा। बायोडाइजेस्टर्स की बची हुई खाद को जैव उर्वरक में बदलकर खेतों और किचन गार्डन्स में इस्तेमाल किया जाता है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।